आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर
दिनांक : 02.01.2025
समय : 0705

<><><><><><><><>

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने डाई अमोनियम फास्फेट–डीएपी उर्वरकों पर एकमुश्त विशेष राहत पैकेज के विस्तार को मंजूरी दी।
- द्वीप पर्यटन उत्सव पांच जनवरी तक बढ़ाया गया–आज से स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।
- मध्योत्तर अंडमान में रामनगर ग्राम पंचायत ने रामनगर समुद्री तट को "प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र" घोषित किया है।
- दक्षिण अण्डमान और विम्बर्लीगंज अंचल के बालवाटिका शिक्षकों के लिए दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।
- जलयान सिंधु के आज के निर्धारित प्रस्थान समय में संशोधन किया गया है।

<><><><><><><><>

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने डाई अमोनियम फॉस्फेट–डीएपी उर्वरकों पर एक मुश्त विशेष राहत पैकेज का विस्तार करने का फैसला किया है। डीएपी उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी बढाकर तीन हजार पांच सौ रुपये प्रति मीट्रिक टन करने की मंजूरी दी गई है। इससे किसानों को किफायती मूल्य पर डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस फैसले से लगभग तीन हजार आठ सौ पचास करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पडेगा, जिसे केंद्र सरकार वहन करेगी। मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को भी जारी रखने का फैसला किया है। श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस योजना के अन्तर्गत बीमित किसानों में अट्ठासी प्रतिशत छोटे और सीमांत किसान शामिल है। श्री वैष्णव ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में किसानों को बीमा योजना के अन्तर्गत एक लाख सत्तर हजार करोड रुपये की राशि का भुगतान किया गया।

<><><><><><><><>

द्वीप पर्यटन उत्सव स्थानीय कलाकारों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ–साथ सांस्कृतिक परंपरा को जीवित रखने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। राष्ट्रीय शोक के कारण द्वीप पर्यटन उत्सव में एक जनवरी तक कोई भी कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जा सका। इस संबंध में आगे की अवधि

के लिए स्टॉल संचालित करने के लिए विभिन्न हितधारकों से आवेदन प्राप्त हुए हैं, राष्ट्रीय शोक के कारण कार्यक्रमों को रद्द करने के कारण उनके स्टॉल पर आगंतुकों की संख्या कम हुई है, जिससे उनके व्यवसाय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। अब, अंडमान निकोबार प्रशासन ने कला और संस्कृति विभाग द्वारा दिए गए कार्यक्रम के अनुसार आज से पांच जनवरी तक आईटीएफ मैदान में और चार और पांच जनवरी, को मरीन एस्प्लेनेड में स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यकम प्रस्तुत किए जाएंगे। सूचना प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रशासन के विभिन्न विभागों के साथ–साथ निजी पार्टियों को आबंटित स्टॉल, कियोस्क और आईटीएफ मैदान के खुले स्थान को पांच जनवरी तक संचालित करने की अनुमति है।

<><><><><><><>

मध्योत्तर अंडमान में रामनगर ग्राम पंचायत ने रामनगर समुद्री तट को "प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र" घोषित कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह कदम स्वच्छ भारत मिशन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य प्लास्टिक प्रदूषण को कम करना और गांव में स्वच्छता को बढ़ावा देना है। इस पहल का उद्घाटन इक्तीस दिसम्बर को किया गया। इस अवसर पर डिगलीपुर के खंड विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार मुख्य अतिथि थे, जबकि वन्यजीव कलारा के रेंज अधिकारी सुरेश.वी और कालीघाट के वन रेंज अधिकारी रशीद सम्माननीय अतिथि थे। उद्घाटन के दौरान, गणमान्य लोगों ने पहल की प्रशंसा की और लोगों से रामनगर गांव की प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखने के लिए प्लास्टिक का उपयोग कम करने का आग्रह किया। इस पहल को लागू करने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए, रामनगर ग्राम पंचायत के प्रधान मिथुन दास ने वाहन प्रवेश शुल्क और सुरक्षा जमा शुरू करने की घोषणा की। इन उपायों का उद्देश्य प्लास्टिक की वस्तुओं के उचित निपटान को प्रोत्साहित करना है। दुपहिया वाहनों के लिए दस रूपये, तीन और चार पहिया वाहनों के लिए बीस रूपये, जबकि बस, टेम्पो, पिक–अप वैन और अन्य वाहनों के लिए पचास रूपये का प्रवेश शुल्क रखा गया है।

दो लीटर या उससे अधिक लीटर की बोतलों के लिए दो सौ रूपये, चिप्स के पैकेट और दो लीटर से कम के पैकेट के लिए सौ रूपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। यदि वस्तुएँ पंचायत काउंटर पर वापस कर दी जाती हैं, तो सुरक्षा जमा राशि वापस कर दी जाएगी। हालाँकि, यदि उन्हें वापस नहीं किया जाता है, तो जमा राशि जब्त कर ली जाएगी। कार्यक्रम का समापन रामनगर की पंचायत सचिव काकोली घोष ने किया।

<><><><><><><><>

समग्र शिक्षा, अंडमान निकोबार द्वीप समूह द्वारा राज्य शिक्षा संस्थान, श्री विजयपुरम के सहयोग से दक्षिण अंडमान और विम्बर्लीगंज क्षेत्रों के बालवाटिका शिक्षकों के लिए दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम कल गर्ल्स सीनियर सेकेण्डरी स्कूल के सभागार में शुरू हुआ। इस अवसर पर स्कूल की प्रधानाचार्या अर्चना सिंह मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने अपने संबोधन में बालवाटिका बच्चों में आधारभूत साक्षरता विकसित करने में बालवाटिका शिक्षकों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बालवाटिका कक्षाओं में समग्र शिक्षण अनुभव को बढ़ाने के लिए बालवाटिका शिक्षकों को नई शिक्षा रणनीति से तैयार करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में लगभग अस्सी पीपीटी और पीटी–पीएसटी भाग ले रहे हैं।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को वर्तमान में रबी दो हजार चौबीस–पच्चीस के लिए पूरे द्वीपसमूह में कार्यान्वयन के लिए अधिसूचित किया गया है। योजना के तहत, दलहन और सब्जियों की फसलों को बीमा के लिए दो हजार चौबीस–पच्चीस रबी मौसम के तहत अधिसूचित किया गया है। योजना के तहत रबी सीजन के कार्यान्वयन के लिए सभी तीन जिलों का एक क्लस्टर बनाया गया है। रबी सीजन के लिए सभी अधिसूचित फसलों के लिए क्षतिपूर्ति स्तर अस्सी प्रतिशत है। पी एम फसल बीमा योजना के तहत नामांकित सभी किसान प्रीमियम पर सब्सिडी के हकदार होंगे। बीमा के तहत प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान के लिए किसानों को मुआवजा दिया जाता है। अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित फसलें उगाने वाले सभी किसान बीमा का लाभ उठाने के पात्र हैं। ऐसे किसानों को मौजूद भूमि रिकॉर्ड या प्रशासन द्वारा अधिसूचित अन्य दस्तावेज के आवश्यक दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है। रबी दो हजार चौबीस–पच्चीस के लिए योजना के अंतर्गत नामांकन की अंतिम तिथि पन्द्रह जनवरी है। किसानों को भूमि अभिलेखों के साथ संबंधित क्षेत्रों के एसबीआई या सहकारी बैंक से संपर्क करना होगा और योजना के अंतर्गत नामांकन कराना होगा या वे राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल पर भी अपना पंजीकरण करा सकते हैं। नामांकन के बाद, नुकसान के मामले में बीमित किसान बहत्तर घंटे के भीतर सीधे या फोन के माध्यम से कार्यान्वयन एजेंसी, संबंधित बैंक या स्थानीय कृषि विभाग को सूचित कर सकते है। अधिक जानकारी या सहायता के लिए किसान, किसान कॉल सेंटर या संबंधित क्षेत्रों के विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। द्वीपसमूह के किसानों से इस योजना का लाभ उठाने का अनुरोध किया गया है।

<><><><><><><><>

तकनीकी कारणों से श्री विजयपुरम से आज सुबह दस बजे चेन्नई के लिए रवाना होने वाले जलयान सिंधु के निर्धारित प्रस्थान समय में संशोधन किया गया है। अब, यह जहाज दोपहर दो बजे हैडो जेट्टी से चेन्नई के लिए रवाना होगा। यात्रियों को जहाज पर चढ़ाने का कार्य दिन में बारह बजे से किया जाएगा।

उधर द्वीप पर्यटन उत्सव को देखते हुए, जहाजरानी सेवा निदेशालय ने चाथम और बम्बूफ़्लाट के बीच रात के समय अतिरिक्त वाहन फेरी सेवा की घोषणा की है। यह सेवा पांच जनवरी, तक यात्रियों के लिए उपलब्ध रहेगी।

<><><><><><><>